

दिनांक: 23/10/19 का

23/10/19

क. क. उष्य बहक उन्नय-पत्रकारण
 के मध्यवर्ती की-वृत्ती
 तदा प्राचीनानु के-प्रा.
 पत्र-प्रस्ता-वस निवेदन किया
 कि आन्वीय न्यायालय हाजि के
 साह एक निवेदन द्वारा ॥
 नू-रापक मीनियन, बाबा
 पत्तनानी काव्यके हेतु प्रस्ता
 किया निवेदन निवेदन किया कि
 अग बौकिउकाउने अग्रानुविण
 सं. 1 व 2 की अपातेशरी कृति
 सं. गा 1426, 1432, 1433 से 1437
 1395/1789, 1398/1795, 1375,
 1376/2, 1348/1943, 1332/1777
 शीत किया के जो प्राचीनानु के
 अग रापक विकार के इण्डे

फर्द अहकाम

सुराप्रभाग परीक्षा नाम रत्नबाबापण पत्र २५

ज्यायालय

संख्या 129/12

दिनांक

विशेष विवरण

दिनांक जज्जा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
<p>2</p>	<p>जो प्राचीन कोराय 1 नं. 14 की हीम कोम विस्था की निवारा स्वीकार सहस्रीगडर चौक द्वारा आदेश क्रमांक का सं. 1609/ डिग्रे. 1615/ 2014 की अनुपालन के पदवारी हलका द्वारा डिग्रे. 12/6/ 2014 को नौके पर फुचकर प्रविस्था व्यक्तियों के समूह व. नं. 1409 व 1419 की जोय कर उनके आचार गणक प्रवाव चलाकर ताप कर सभी पत्रकारों को अन्यायी राहें की। तथा स्वीकारण विपरीत के आचार पर प्राचीन रूप की हीम कोम की पदवारी करण चारते हैं, तथा प्राचीन प्राचीन की आलिकाय एक व कठपेसुड कुणिके पदवारी नहीं करके रहे हैं, जबकि इनका कोई निगा नहीं है इसके बावजूद की इवत व्योपत हेराण व प्रेशान करते हैं इवत जोरण प्राचीन पत्र चीनन के कानन केवा करण आवस्यक हुआ है। अतः प्राचीन पत्र नप बापक पत्र प्रस्तुत कर निवेदन है कि स्वीकारण द्वारा इकतरण के पारी निरीप</p>	

फर्द अहकाम

सुरजभाईजी वनाम स्वल्प गारापण

रीडर फर्द

नाम
केस नं
क्रम संख्या

नाम न्यायालय

केस संख्या 129/12

जिल्हा

क्रम संख्या	दिनांक आहवा या कार्यवाही	आहवा विस्तृत रूप से
23/		<p>दिनांक 23/11/16 मुंबई 142/14 खणपानी स्वल्प गारापण पत्रा खणपानी अंतर्प्रकाश निरकर जाकर प्राचीनिका को खुदपाठ का स्वल्प गारापण दिले हुये प्रकरण गुणावसुण पर विनिर्णय करणे को आदेश प्रदान कए।</p> <p>पत्रा को संबोध दीक्षित। गोलवाडी/ इप्राची को जराण न डिकर सीधे ही बहस खणी जाकर पत्राणी आसुण पराण पर दिक्पती हुं कर हिके से जिल्हा पत्राण स्वीकार किया जात है तथा पूर्व के पाठि आदेश दिनांक 23/11/16 पुनरीक्षण किया जात है पत्राणी केसाम सुगारु हिकर अं नखर से का है तथा दाखिल इपतर है।</p>

